||::>:<::|| भूल्या मन भंवरा क्यूं फिरे, फिर रह्यो दिन और रात ||::>:<::||

भूल्या मन भंवरा क्यूं फिरे, फिर रह्यो दिन और रात |
माया के भूल्या ने जमड़ा ले ज्यासी, फिर रह्यो दिन और रात ||

गणपति हंसा छत्रपति. गया लख दोय च्यार |
गोखा बेठ्या धरती तोलता जाता ने लागी कोनी बार ||

किसकी छोरी और छोकरा, किसका भाई और बाप |
भूखो आयो रीतो ही जासी, पाप पुण्य है तेरे साथ ||

उंची चढ़कर सुरता देख ले, उघड आयो तेरो भाग |
गाडो भर्यो लेर काठ को, फुटेडी हांडी में आग ||

उग सोई फूल शाम कुम्हलाये , चिनेडी दिवार गिरे |
पर जनम सोई मर ज्याए, मिनख जनम न दुबार मिले ||

खाट नहीं रे आग बाणिया, खर्ची लेल्यो अपने साथ |
काजी मोहम्मद बोलिया, लेखो है साहिब के हाथ ||

जय श्री नाथ जी की.....